किचन गार्डन विकसित करने से स्वास्थ्य एवम पर्यावरण को लाभ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। घरों में किचन गार्डन विकसित करने से मानव स्वास्थ्य एवम पर्यावरण को लाभ प्राप्त होता है।जैविक सब्जियां स्वास्थ्यवर्धक तथा रसायन मुक्त होती हैं।÷ उपर्युक्त विचार कट्स इंटरनेशनल तथा हरदेव शिक्षण एवम जन कल्याण संस्थान द्वारा आयोजित कम्युनिटी स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन मीटिंग में शिक्षाविद भूपराम शर्मा ने व्यक्त किए।कट्स के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी अमरदीप सिंह जी ने उपस्थित महिलाओं को शेयरिंग कम्यूनिटी के लाभ तथा पर्यावरण की सुरक्षा के गुण सूत्र बताते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने की प्रेरणा दी।

महिलाओं द्वारा कबाड़ से जुगाड कार्यक्रम के अंतर्गत पुराने कपड़ों से पायदान, बैग,प्लास्टिक की बोतलों से गुलदस्ते,फूल,झालर,गमले इत्यादि बनाई हुई उपयोगी वस्तुओं की सभी के द्वारा सराहना की गई । कलाकार सृजन मिश्रा द्वारा महिलाओं से पर्यावरण संबंधी,प्राचीन संस्कृति एवम परंपराओं को कायम रखने हेतु नवीन विचारों को जानने तथा जीवन में उपयोग में लाने के लिए कला के माध्यम से प्रेरित किया गया।समाजसेविका श्रीमती मंजू राठौड़ द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली सुमन शर्मा, मधु शर्मा,पूजा यादव, रीटा देवी,संगीता कटेवा,दीपा राठौड़,रीना शर्मा, कांता गुर्जर ,मीना बैरवा इत्यादि महिलाओं को प्रोत्साहित किया एवम सम्मानित किया तथा सहयोग के लिए नाउ न्यूज चैनल से शत्रुंजय सिंह,हरिश्चंद्र शर्मा, हरिकृष्ण शर्मा एवम प्रेमचंद बैरवा को भी सम्मानित किया गया। सभी महिलाओं को प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह देते हुए कपड़े के बैग दिए गए।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने के लिए किया प्रेरित

न्यूज सर्विस/नवज्योति, दूदू। महिलाओं की ओर से कीचन गार्डन लगाने से घर परिवार स्वस्थ बन रहे हैं, साथ ही पर्यावरण संवर्धन में सहयोग मिल रहा है। यह विचार कट्स प्रतिनिधि धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने विकासोन्मुख संस्थान द्वारा आयोजित कम्युनिटी स्टेक होल्डर कंसट्रेशन बैठक में दिए परियोजना कॉर्डिनेटर राजदीप पारीक ने महिलाओं को शेयरिंग कम्युनिटी के लाभ तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने को प्रेरित किया। महिलाओं ने कबाड़ से जुगाड़ ट्रेनिंग के तहत पुराने कपड़ों से पायदान, बैग, प्लास्टिक बोतलों से गुलदस्ते, फूल माला, झालर, गमले इत्यादि की प्रदर्शनी भी लगाई। बैठक में आए आर्ट कलाकार सजन मिश्रा द्वारा महिलाओं को पर्यावरण संवर्धन, प्राचीन संस्कृति एवं परंपराओं को कायम रखने के लिए नवीन विचारों को जानने और जीवन में उपयोग में लाने के लिए कला के माध्यम से प्रेरित किया।संस्थान सचिव डॉ. राजेश मालाकार ने बताया कि यह गतिविधियां ग्रीन एक्शन वीक 2023 के तहत आयोजित की जा रही है संस्था महिला विंग कॉर्डिनेटर शारदा सैनी के नेतृत्व में सांगानेर विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं को जागरुक किया जा रहा है। इस अवसर पर किचन गार्डन में बेहतर प्रदर्शन करने वाली 25 महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। होली फेथ एकेडमी जगन्नाथपुरी प्रिंसिपल मधु पाठक ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

किचन गार्डन से परिवार बनेंगे स्वस्थ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दूदू. महिलाओं द्वारा लगाए जा रहे किचन गार्डन से परिवार स्वस्थ बन रहे हैं। साथ ही पर्यावरण संवर्धन में सहयोग मिल रहा है। यह विचार कट्स के धर्मेंद्र चतुर्वेदी ने विकासोन्मुख संस्थान द्वारा आयोजित बैठक में व्यक्त किए। परियोजना कॉर्डिनेटर राजदीप पारीक ने महिलाओं को शेयरिंग कम्युनिटी के लाभ तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया।

महिलाओं ने कबाड़ से जुगाड़ ट्रेनिंग के तहत पुराने कपड़ों से पायदान, बैग, प्लास्टिक बोतलों से गुलदस्ते, फूल माला, झालर, गमले इत्यादि की प्रदर्शनी भी लगाई। बैठक में आए आर्ट कलाकार सजन मिश्रा ने महिलाओं को पर्यावरण संवर्धन, प्राचीन संस्कृति एवं परंपराओं को कायम रखने के लिए नवीन विचारों को जानने और जीवन में उपयोग में लाने के लिए प्रेरित किया। संस्थान सचिव डॉ. राजेश मालाकार ने बताया कि यह गतिविधियां ग्रीन एक्शन वीक 2023 के तहत आयोजित की जा रही हैं। संस्था महिला विंग कॉर्डिनेटर शारदा सैनी के नेतृत्व में महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर किचन गार्डन में बेहतर प्रदर्शन करने वाली 25 महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मधु पाठक ने आगंतुकों का आभार जताया।

महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए।

'सिंगल यूज प्लास्टिक का न करें उपयोग'

जयपुर @ पत्रिका. ग्रीन एक्शन वीक के तहत विकासोन्मुख संस्थान की ओर से त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा स्थित जगन्नाथपुरी में बैठक हुई। इस मौके पर धर्मेंद्र चतुर्वेदी सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं द्वारा घर में किचन गार्डन लगाने से परिवार सेहतमंद बन रहा है। साथ ही पर्यावरण संवर्धन में भी सहयोग मिल रहा है। परियोजना कॉर्डिनेटर राजदीप पारीक ने महिलाओं को शेयरिंग कम्युनिटी के लाभ बताए। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने को कहा। इस मौके पर अनुपयोगी सामान से बने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

किचन गार्डन से परिवार बनेंगे स्वस्थ

कम्युनिटी स्टेकहोल्डर कंसंट्रेशन मीटिंग का आयोजन

राजस्थान दर्शन

जयपुर(निस) महिलाओ द्वारा किचन गार्डन लगाने से घर परिवार स्वस्थ बन रहे हैं साथ ही पर्यावरण संवर्धन में सहयोग मिल रहा है यह विचार कट्स प्रतिनिधि धर्मेंद्र चतुर्वेदी ने विकासोन्मुख संस्थान द्वारा आयोजित कम्युनिटी स्टेक होल्डर कंसंट्रेशन मीटिंग में दिए परियोजना कॉर्डिनेटर राजदीप पारीक ने महिलाओं को शेयरिंग कम्युनिटी के लाभ तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने को प्रेरित किया महिलाओं ने कबाड़ से जुगाड़ ट्रेनिंग के तहत पुराने कपड़ों से पायदान, बैग, प्लास्टिक बोतलों से गुलदस्ते, फूल माला, झालर, गमले इत्यादि की प्रदर्शनी भी लगाई
मीटिंग में आए आर्ट कलाकार सजन मिश्रा द्वारा महिलाओं को पर्यावरण संवर्धन, प्राचीन संस्कृति एवं परंपराओं को कायम रखने हेतु नवीन विचारों को जानने और जीवन में उपयोग में लाने के लिए कला के माध्यम से प्रेरित किया संस्थान सचिव डॉ. राजेश मालाकार ने बताया कि यह गतिविधियां ग्रीन एक्शन वीक 2023 के तहत आयोजित की जा रही है संस्था महिला विंग कॉर्डिनेटर शारदा सैनी के नेतृत्व में सांगानेर विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं को जागरुक किया जा रहा है इस अवसर पर किचन गार्डन में बेहतर प्रदर्शन करने वाली 25 महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया इस अवसर पर
होली फेथ एकैडमी जगन्नाथपुरी प्रिंसिपल मधु पाठक ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।